

## डॉ. जॉन ओसवाल्ट, यशायाह, सत्र 9, ईसा। 17-18

### © 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

यह यशायाह की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. जॉन ओसवाल्ट हैं। यह सत्र संख्या नौ, यशायाह अध्याय 17 और 18 है।

आज रात हम अध्याय 17 से 18 को देख रहे हैं और मैं आपको फिर से याद दिलाना चाहता हूँ कि यह सब एक साथ कैसे फिट बैठता है।

आपके लिए मेरा एक लक्ष्य, यदि आप मई के अंत तक दृढ़ रहने में सक्षम हैं, तो आपको यह एहसास होगा कि यह बड़ी किताब एक साथ कैसे फिट बैठती है। कई लोगों के लिए, यह इतनी बड़ी चीज़ है कि आप इसे अध्याय-दर-अध्याय या अपने पढ़ने में इस तरह से काम कर रहे हैं और आप बस खो जाते हैं। और इसलिए, मेरा लक्ष्य आपको एक प्रकार का रोड मैप देना है।

इसलिए, मैं इन बातों को दोहराता रहूँगा और इसे दोहराता रहूँगा और दोहराता रहूँगा क्योंकि जैसा कि मैंने पहले कहा है, दोहराव शिक्षा की आत्मा है। यदि आपको यह समझ में नहीं आया, तो दोहराव शिक्षा की आत्मा है। तो अध्याय 1 से 6 दासत्व, समस्या, इस इज़राइल, पापी, भ्रष्ट, मानवीय महानता और शक्ति से आसक्त होने का आह्वान है, और फिर भी यह वादा है कि भगवान इन लोगों को राष्ट्र के लिए अपने दूतों के रूप में शुद्ध और पवित्र उपयोग करने जा रहे हैं।

दुनिया में ऐसा कैसे हो सकता है? यह वर्तमान इज़राइल कभी वह इज़राइल कैसे बन सकता है? और जैसा कि मैंने आपको सुझाव दिया था, मेरा मानना है कि यशायाह हमें एक आदर्श के रूप में अपना आह्वान देता है। यदि अशुद्ध होठों वाले मनुष्य के साथ जो हुआ वही अशुद्ध होठों वाले राष्ट्र के साथ हो सकता है, तो वे वास्तव में उसके सेवक बन सकते हैं। जैसे यशायाह राष्ट्र को परमेश्वर का संदेश सुनाने के लिए परमेश्वर का सेवक था, वैसे ही राष्ट्र दुनिया को संदेश देने के लिए परमेश्वर का सेवक बन सकता है।

यह अध्याय 1 से 6 है। फिर अध्याय 7 से 39 तक विश्वास पर बार-बार जोर देने की विशेषता है। और फिर, अपने बाइबल अध्ययन में, दोहराव की तलाश करें। दोहराव शिक्षा की आत्मा है।

जब लेखक कुछ दोहरा रहा है, तो आप उस पर भरोसा कर सकते हैं, वह एक बात कहने की कोशिश कर रहा है। और इसलिए, इन अध्यायों के माध्यम से, हमें विश्वास के लिए विभिन्न शब्द मिलते हैं, विश्वास की अवधारणा की विभिन्न अभिव्यक्तियाँ मिलती हैं और मैं तर्क दे रहा हूँ कि वह कह रहा है कि विश्वास दासत्व का आधार है। यहीं पर बगीचे में चीजें गलत हो गईं।

आप भगवान पर भरोसा नहीं कर सकते. भगवान आपके पक्ष में नहीं है. भगवान आपके लिए नहीं है.

और चूँकि आप उस पर भरोसा नहीं कर सकते, इसलिए आपको अपना ख्याल रखना होगा। तो, मूल बात यह है कि क्या आप और मैं यहोवा पर भरोसा कर सकते हैं? क्या हम 'मैं हूँ' पर भरोसा कर सकते हैं? क्या हम उस पर अपना भार डाल सकते हैं? और यशायाह का उत्तर बिल्कुल है। मैंने आपको सुझाव दिया है कि यह खंड, 7 से 39, तीन भागों में विभाजित है।

सबसे पहले, अध्याय 7 से 12 में, राजा आहाज को परमेश्वर पर भरोसा रखने की चुनौती दी गई थी। उसके दो उत्तरी पड़ोसी, इज़राइल और सीरिया, उस पर हमला कर रहे हैं, यहूदा को बड़े दुश्मन, असीरिया के खिलाफ गठबंधन में मजबूर करने की कोशिश कर रहे हैं। और यशायाह द्वारा परमेश्वर पर भरोसा करने की चुनौती पर आहाज, नहीं कहता है।

और वास्तव में, वह उसे इस्राएल और सीरिया से छुड़ाने के लिए अशूर पर भरोसा करता है। जैसा कि मैंने आपसे पहले कहा था, यह कुछ-कुछ वैसा ही है जैसे तीन चूहे आपस में लड़ रहे हों और उनमें से एक बिल्ली को काम पर रख ले। अच्छा नहीं है।

और इसलिए, यशायाह इसके निहितार्थों के बारे में बात करता है। और वह पूरे रास्ते चला जाता है। असीरिया उन पर हमला करने के लिए आया था, लेकिन एक दिन असीरिया खुद गिर गई क्योंकि वह भगवान का अहंकारी उपकरण था।

और जब ऐसा होता है, तो यिशै के टूठ में से एक जड़, जले हुए टूठ से, उस देश में जो परमेश्वर पर भरोसा नहीं रखता था, उस जले हुए टूठ से एक छोटी सी टहनी निकलती है। हरा, असहाय गोली मारो. और वह अंकुर वादा किया हुआ मसीहा है, जिसकी सारी दुनिया तलाश करती है।

तो यहाँ, इस खंड में, यशायाह पूरी श्रृंखला का पता लगाता है। अगर आप भरोसा नहीं करेंगे तो आपके साथ यही होगा. लेकिन जब आपने उस पर भरोसा करने से इनकार कर दिया है, और न्याय का अनुभव किया है, तो भगवान अनुग्रह में आएंगे।

क्या आपको ऐसे भगवान पर भरोसा नहीं करना चाहिए? फिर, विश्वास का पाठ। चूँकि आप परीक्षा में असफल हो गए, हम पाठ्यपुस्तक पर वापस जा रहे हैं, और हम इसे फिर से आजमाने जा रहे हैं। और हम आपको कारण बताने जा रहे हैं कि आपको मानवता, मानवता के राष्ट्रों पर भरोसा क्यों नहीं करना चाहिए, और आपको भगवान पर भरोसा क्यों करना चाहिए।

अब हम इस खंड को देख रहे हैं, राष्ट्रों के विरुद्ध न्याय की वाणी, अध्याय 13 से 23। हमने देखा कि हमने बेबीलोन से कैसे शुरुआत की, और मैंने आपको सुझाव दिया कि बेबीलोन एक तरह से प्रतीकात्मक है। बेबीलोन मानवता की साक्षात् महिमा है।

और इसलिए, अध्याय 14 में, कोई भी प्राणी जो स्वयं को ईश्वर के स्थान पर उँचा उठाता है, उसका पतन होना तय है। फिर, हमने देखा कि कैसे यशायाह राष्ट्रों के प्रतीक के रूप में बेबीलोन, मेसोपोटामिया की शक्ति के वर्तमान प्रतिनिधि असीरिया और पड़ोसी पलिशियों के बारे में बात करने से लेकर व्यापक कोण को एक संकीर्ण फोकस में लाता है। और फिर, मृत सागर के दूसरी ओर, आपके दृष्टिकोण से, पलिशती यहाँ हैं, मृत सागर यहाँ है, और मोआबी यहाँ हैं।

अब, आज रात, हम अध्याय 17 और 18 को देखने के लिए तैयार हैं। तो, हम श्लोक 1 से शुरू करते हैं। और यह दैवज्ञ किसके विरुद्ध निर्देशित है? दमिश्क, सीरिया की राजधानी। इसलिए, जो हमने पहले ही देखा है उसके आधार पर, हम उम्मीद कर सकते हैं कि अध्याय 17 का शेष भाग दमिश्क के बारे में बात करेगा।

गलत। वास्तव में ऐसा नहीं है। देखिए, जब तक हम श्लोक 3 में पहुँचे, तब तक क्या हो चुका था। किला कहाँ से गायब हो जाएगा? एप्रैम।

एप्रैम क्या है? इज़राइल, इज़राइल का उत्तरी राज्य। इसलिए, दो छंदों के भीतर, हमने दमिश्क के बारे में, कम से कम पूरी तरह से, बात करना बंद कर दिया है और इस चीज़ में इज़राइल को भी शामिल कर लिया है। एप्रैम से गढ़ मिट जाएगा, दमिश्क से राज्य नष्ट हो जाएगा, सीरिया के बचे हुए लोग इस्राएल के बच्चों की महिमा के समान होंगे, सेनाओं के यहोवा की यही वाणी है।

अब, आपको क्या लगता है कि इन दोनों पर एक साथ विचार क्यों किया जा रहा है? बिल्कुल। वे यहां सहयोगी थे जो यहूदा के विरुद्ध थे, और जिन्होंने आहाज को इतना भयभीत कर दिया कि उसे लगा कि उसे अपने सबसे बड़े दुश्मन पर भरोसा करना होगा। तो, फिर से, इन अध्यायों में, भगवान कह रहे हैं, देखो, तुम्हें एक तरफ, इन राष्ट्रों से डरना नहीं है, और दूसरी तरफ, तुम्हें उन पर भरोसा नहीं करना है।

तो, यहाँ, वह दमिश्क और इज़राइल को एक ही निर्णय दैवज्ञ में एक साथ शामिल करता हुआ प्रतीत होता है। और, श्लोक 4 से शुरुआत करते हुए, वह पूरी तरह से इज़राइल में बदल जाता है। अब, आपको क्यों लगता है कि वह ऐसा कर सकता है? ठीक है, ठीक है, यहूदा के लिए उत्तरी भाई पर भरोसा करने की सबसे अधिक संभावना हो सकती है।

हाँ, मुझे लगता है कि यह एक वास्तविक संभावना है। मुझे लगता है कि एक और संभावना है जो इसका दूसरा पहलू है। इज़राइल वह हो सकता है जिससे उन्हें सबसे अधिक डर लगता होगा क्योंकि वे सबसे करीब हैं।

तो, मुझे लगता है कि यह दोनों यहाँ है। आपको अपने उत्तरी भाई पर भरोसा करने की सबसे अधिक संभावना है, लेकिन आपको अपने उत्तरी भाई से डरने की भी सबसे अधिक संभावना है। और इसलिए, वह उस बिंदु पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

अब, श्लोक 1 से 3 के संबंध में, परमेश्वर के लोगों द्वारा राष्ट्रों पर भरोसा न करने के मुद्दे के बारे में पूछें। यह एक ऐसी चीज़ है जिस पर हमें लगातार अपने तरीके से काम करना होगा। मैं आपसे पहले भी कह चुका हूँ कि अमेरिका इज़राइल के समकक्ष नहीं है।

यदि इज़राइल का कोई समकक्ष है, तो वह चर्च है। अमेरिका एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है जिसमें वर्षों से अनेक ईसाई लोग निवास करते रहे हैं। दुख की बात है, कम और कम।

लेकिन सवाल यह है कि राष्ट्रों पर भरोसा न करने का यह मुद्दा चर्च के सदस्यों के रूप में हमसे कैसे संबंधित है? उसे थोड़ा घुमाओ. क्या आप उनके देवताओं पर भरोसा कर रहे हैं? क्या आप उनके विश्वदृष्टिकोण पर भरोसा कर रहे हैं? हाँ। हाँ।

हाँ, क्योंकि हम भगवान के पसंदीदा हैं, इसलिए हम कुछ भी गलत नहीं कर सकते और हमारी जीत निश्चित है। अन्यथा यह कैसे होता है, यदि हम चर्च की तुलना इज़राइल से करते हैं, तो चर्च को किस चीज़ पर भरोसा नहीं करना चाहिए? दुनिया? भगवान के अलावा कुछ भी? कोई गठबंधन? जब मैं देखता हूँ कि चर्च दुनिया के तरीकों का इस्तेमाल करना शुरू कर रहा है तो मैं बहुत चिंतित हो जाता हूँ। मैं उन चर्चों के बारे में बहुत चिंतित हूँ जो धन संचयन का उपयोग करते हैं।

और यह धन संचय के लिए एक व्यवसाय है। अब, वह एक महत्वपूर्ण ईसाई हो सकता है, या वह एक महत्वपूर्ण ईसाई हो सकती है। और वे कह सकते हैं, मैं अपना व्यवसाय ईसाई सिद्धांतों पर चला रहा हूँ।

और फिर भी, अब मैं यहां केवल आपसे व्यक्तिगत रूप से बात कर रहा हूँ, और फिर भी मैं सभी जनसांख्यिकी और इस तरह की सभी चीज़ों को सुलझाने के बारे में थोड़ा चिंतित हूँ। क्या यह अपने आप में गलत है? नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता। लेकिन मैं बस इस बात से चिंतित हूँ कि यह भगवान का काम करने के लिए दुनिया के तरीकों पर भरोसा करने लगा है।

मुझे लगता है कि यह हमेशा खतरनाक होता है। मैं चिंतित हूँ जब, एक चर्च के रूप में, हम खुद को राजनीतिक कार्रवाई समूहों में शामिल करना शुरू कर देंगे। अब, आप जानते हैं, मैं एक रूढ़िवादी हूँ।

मैं अतिला द हुन के थोड़ा दाहिनी ओर हूँ। लेकिन मैं तब भी बहुत चिंतित रहता हूँ जब हम राजनीतिक प्रक्रिया पर कब्ज़ा करने की कोशिश करते हैं और किसी तरह इसे अपने उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करते हैं। क्या वह गलत है? नहीं, मुझे नहीं लगता कि यह गलत है।

मैं बस यही सोचता हूँ कि यह खतरनाक है। तो, मुझे लगता है, ये ऐसे मुद्दे हैं जिनके बारे में हमें सोचना होगा। हम बात कर सकते हैं, अरे हाँ, उन यहूदियों के बारे में, उन्हें दुनिया पर इस तरह भरोसा नहीं करना चाहिए था।

खैर, ये वे हैं, ये हम हैं, और यह शब्द हमसे बात करता है। हाँ? मैं उसे एक बार और ले जाता हूँ। मैं अपने लिए खड़ा हूँ।

इसे स्वयं मेरे द्वारा किया जा सकता है। यह एक उत्कृष्ट बात है. एक उत्कृष्ट बिंदु.

व्यक्तिगत मुक्ति के बारे में बात करना बहुत आसान है। मैं बच गया हूँ. आपका क्या मामला है? इस भावना के बजाय कि हम इसमें एक साथ हैं।

मुझे यकीन है कि मैंने आपसे पहले कहा है कि भगवान द्वारा मुझे दिए गए इन लंबे वर्षों में मैं कई चर्चों में गया हूँ। और यह बहुत दिलचस्प है। मैं उन चर्चों में गया हूँ जो एक साथ स्वर्ग जा रहे हैं।

और मैं ऐसे चर्चों में गया हूँ जो एक साथ नरक में जा रहे हैं। और इसका संबंध हमेशा उनके धर्मशास्त्र से नहीं होता है। तो, हाँ, हाँ, हम इसमें एक साथ हैं।

तो, मैं चाहता हूँ कि आप इस प्रकार की चीजों के बारे में सोचें जब हम यहां अपना काम करेंगे। 21वीं सदी में ईश्वर के लोगों के रूप में इसका हमसे क्या संबंध है? क्योंकि, फिर से, यही वह धारणा है जिस पर मेरा पूरा जीवन और मंत्रालय आधारित है और मैं आज रात टीवी देखने के बजाय यहां क्यों हूँ। मुझे लगता है ये हमारे लिए है।

और मुझे लगता है कि इसीलिए आप भी यहाँ हैं। ठीक है, चलिए आगे बढ़ते हैं। श्लोक 5 और 6 में वाणी के अलंकार, विस्तारित अलंकार का क्या मतलब है? वह इज़राइल के बारे में बात कर रहा है।

वह इज़राइल के बारे में क्या कह रहा है? यह उस समय के समान होगा जब काटनेवाला खड़ा हुआ अन्न बटोरता और अपने हाथ से बालें काटता है, जैसे कोई रपाईम नाम तराई में बालें बीनता हो। उसमें बालियां छोड़ी जाएंगी, जैसे जैतून के पेड़ को पीटने पर, सबसे ऊंची शाखा के शीर्ष पर दो या तीन जामुन, और फलदार पेड़ की शाखाओं पर चार या पांच जामुन, इस्राएल के भगवान की घोषणा करते हैं। वो क्या बोल रही है? वहाँ एक अवशेष होगा, हाँ, हाँ, लेकिन केवल एक अवशेष।

जब शत्रु इस्राएल के साथ समाप्त हो जाएगा, तो वे जैतून के पेड़ की तरह होंगे, जिसकी एक या दो जैतून शीर्ष शाखा पर लटके होंगे, जिस तक कोई नहीं पहुंच सकता था। जब परमेश्वर का इस्राएल से नाता खत्म हो जाएगा, तो वे गेहूँ के खेत की तरह हो जाएंगे। और अनाज के कुछ डंठल होंगे जो यहां पर काटने वाले की बांह से गिर गए होंगे।

यह एक प्रकार की पसंदीदा तस्वीर है जिसका उपयोग कई भविष्यवक्ता इस बारे में बात करने के लिए करना पसंद करते हैं कि यह कैसा होने वाला है। यह एक कटे हुए खेत, एक कटे हुए जैतून के बगीचे जैसा होगा जब बहुत कुछ नहीं बचा होगा। तो, आप इज़राइल से डरते हैं, या आप इज़राइल पर भरोसा करने के लिए प्रलोभित हैं।

मैं आपको बता दूँ, उनका फैसला आने वाला है। और वे छोड़े जा रहे हैं। यहाँ बस एक जैतून, वहाँ अनाज का एक डंठल, और कुछ नहीं।

ठीक है, चलो आगे बढ़ते हैं। मैंने आपको बताया कि श्लोक 7 और 8 गद्य में हैं। अब, मुझे नहीं पता कि आपकी बाइबल इसे इस तरह बताती है या नहीं।

अधिकांश आधुनिक बाइबलें ऐसा करती हैं। बाइबिल के विद्वानों के बीच कभी-कभी कुछ तर्क होते हैं। जैसा कि मैंने आपको पहले बताया, हिब्रू कविता की पहचान पर्यायवाची विचारों का विचार है।

आपके पास एक पंक्ति है, और यह सामान्यतः तीन उच्चारण इकाइयों में कुछ कहती है। अब, कभी-कभी वे शब्दों को एक साथ समूहित करते हैं ताकि अंग्रेजी में यह दो शब्दों के रूप में सामने आए, लेकिन हिब्रू में यह वास्तव में एक एकल उच्चारण इकाई है। तो ये पंक्ति कुछ तो कहेगी।

अगली पंक्ति वही बात कहेगी, लेकिन पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग करते हुए। तो 1ए, 2ए, और यदि कवि रचनात्मक है, तो वह अंत में यहां एक नया शब्द जोड़ सकता है जो अभी भी उस बिंदु को पुष्ट करता है। हिब्रू कविता ऐसी ही दिखती है।

और यदि आप हिब्रू पढ़ते समय ऐसा होते हुए देखते हैं, तो आप कहते हैं, ओह, यह एक कविता है। और इसलिए आधुनिक अनुवाद इसे एक अंग्रेजी कविता के आकार में प्रस्तुत करेंगे। लेकिन कभी-कभी यह बिल्कुल स्पष्ट नहीं होता है।

क्या यह सिर्फ काव्यात्मक गद्य है, या यह गद्यात्मक कविता है? और इसलिए, यदि आप तीन या चार अलग-अलग अनुवादों को देखेंगे, तो आप पाएंगे कि वे इस बात से असहमत हैं कि उन्होंने इसे कैसे प्रस्तुत किया है। लेकिन मैं यहां अंग्रेजी मानक संस्करण का अनुसरण कर रहा हूँ, और मुझे लगता है कि अधिकांश संस्करण इस पर सहमत हैं। सात और आठ गद्य में हैं।

इसलिए संभवतः उन्होंने ये छंद नहीं कहे या पिछले छंदों की तरह ही ये छंद नहीं लिखे। अब, हम यह नहीं जानते। लेकिन संभवतः, यह पुस्तक उनके द्वारा विभिन्न समयों पर कही गई बातों का एक संग्रह है, और अब इसे एक बिंदु बनाने के लिए व्यवस्थित किया गया है।

तो, मान लीजिए कि यह सही है, और मैं गलत भी हो सकता हूँ। मैं पहले भी कम से कम एक बार गलत हो चुका हूँ। लेकिन यह सही है, मुझे याद नहीं आ रहा।

श्लोक सात और आठ एक, दो, तीन, चार, पाँच, छह से कैसे संबंधित हैं? यदि यशायाह ने इन्हें शायद अपने संग्रह में कहीं और से लिया है और यहां रखा है, तो उनका आपस में क्या संबंध है? श्लोक चार, पाँच और छह में क्या हुआ है? न्याय हो चुका है, और परिणाम यह है कि लोग कटे हुए खेत के समान हैं। अब सात और आठ में क्या? यह उन्हें जगाने वाला है। हाँ, कम से कम शेष, हाँ।

हम अगले सप्ताह उस दिन के बारे में और अधिक बात करेंगे क्योंकि यह अगले सप्ताह के पाठन में हर जगह होता है। लेकिन हमें यह यहां दो बार मिला है। श्लोक सात और फिर श्लोक नौ, जिसे मैं अगले भाग के परिचय के रूप में देखता हूँ।

उस दिन का तात्पर्य निर्णय के भविष्य के समय, समाधान के भविष्य के समय से है, और ठीक उसी समय, लोगों को मार दिया गया है। लेकिन फिर भी, आप इस सबके निष्कर्ष के बारे में बात कर रहे हैं। तो, निष्कर्ष क्या है? वे जागने वाले हैं, और वे विशेष रूप से किसलिए जागने वाले हैं? उनकी समृद्धि चली गयी, खालीपन, और इसलिए वे अपनी खुली आँखों से क्या करेंगे? वे भगवान को देखने जा रहे हैं, और श्लोक आठ में वर्णित भगवान कौन है? निर्माता, इस्राएल का पवित्र।

अब, जैसा कि मैंने आपसे पहले बात की है, सबसे नीचे पवित्रता ईश्वर की पूर्ण अन्यता है। उनके सार में उनकी अन्यता है, लेकिन उनके चरित्र में भी उनकी अन्यता है। तो, वे जागने वाले हैं।

वे जागने वाले हैं, और वे कहने वाले हैं, अंदाज़ा लगाओ क्या? मैंने खुद को नहीं बनाया। यदि आप कभी किसी स्व-निर्मित व्यक्ति से मिले हैं, तो आप एक झूठे व्यक्ति से मिले हैं। ऐसी कोई बात नहीं है।

वे अपने निर्माता को देखेंगे, जो इस दुनिया से बाहर खड़ा है। उत्कृष्ट, पवित्र निर्माता की अवधारणा, बाइबिल में उल्लेखनीय धार्मिक अवधारणाओं में से एक है। विकास के साथ समस्या यह है कि वह किसी पवित्र रचनाकार में विश्वास नहीं करता।

मैं, एक बात के लिए, इस बात पर बहस नहीं करना चाहता कि भगवान को दुनिया बनाने में कितना समय लगा। मेरी समझ से यह मुद्दा नहीं है। मुद्दा यह है कि क्या हम यहां भौतिक सृष्टि के भीतर से होने वाली आकस्मिक प्रक्रियाओं के परिणामस्वरूप हैं, या हम यहां उस व्यक्ति के परिणामस्वरूप हैं जो सृष्टि के बाहर खड़ा है और उसने जानबूझकर रचना की है? मेरे लिए, बाइबिल हमें जो सिखाती है और हमारे सार्वजनिक स्कूलों में जो धर्म पढ़ाया जा रहा है, उसके बीच बहुत बड़ा अंतर है।

लोग कहते हैं, ठीक है, हम धर्म नहीं सिखाएंगे, हम विकासवाद सिखाएंगे, जिस पर मैं धीरे से कहता हूं, बकवास। बहुत धीरे से भी नहीं। नहीं, यह कोई न कोई धर्म है।

यह उत्कृष्ट रचनाकार का धर्म है, या यह भौतिक सृष्टि के भीतर से संयोग का धर्म है। तो, वे अपने निर्माता, इस्राएल के पवित्र व्यक्ति की ओर देखने जा रहे हैं, और वे किस चीज़ को देखना बंद करने जा रहे हैं? मूर्तियाँ। और इसके अनुसार मूर्तियाँ क्या हैं? उनकी अपनी रचनाएँ।

उनके हाथों के काम। खास तौर पर यशायाह को ऐसा करना बहुत पसंद है। आपके पास या तो बनाने वाला हो सकता है, या जो आपने बनाया है वह आपके पास हो सकता है।

आप किसे चुनते हैं? आपका निर्माता, या आपने क्या बनाया? निर्भर करता है कि आपकी क्या करने की इच्छा है। आप अपनी खुद की बनाई चीज़ों पर नियंत्रण रखना चाहते हैं। हां।

यदि आप नियंत्रण का भ्रम पाना चाहते हैं। बिल्कुल। और इसलिए उनकी दुनिया बिखर गई है।

और उस दिन, वे कहते हैं, हे भगवान! मैं इस पर निर्भर रहा हूँ कि मेरे हाथों ने क्या बनाया है। मैं कितना मूर्ख हूँ।

मुझे आश्चर्य है कि क्या यहां किसी के साथ ऐसा हुआ है। क्या आपको कभी ऐसा अनुभव हुआ है? एक विनाशकारी अनुभव जिसने आपको वास्तविकताओं में वापस बुलाया है? मुझे संदेह है कि हममें से अधिकांश के पास है। क्या कोई एक साझा करना चाहता है? हर कोई शर्मीला है।

और हम सब, बाकी सब, हारे हुए हैं। कभी-कभी हम पूछते हैं, भगवान ने मेरे साथ ऐसा क्यों होने दिया? वह बुरी बात. वह नुकसान.

वह त्रासदी. खैर, मुझे लगता है कि इस जटिल दुनिया में, इसका आसान उत्तर नहीं है। लेकिन मुझे विश्वास है कि भगवान हमारी आत्माओं की भलाई के लिए ही चीजों को घटित होने देते हैं।

कि हम वास्तविकता में वापस आएंगे। और वह जो कह रहा है वही यहां होगा। ठीक है।

चलो आगे बढ़ें. जैसा कि मैंने कहा, मेरा मानना है कि श्लोक 9 अब अगले कुछ छंदों का गद्य परिचय है। वो क्या बोल रही है? वही बात, हुह? उस समय उनके दृढ़ नगर जंगल के ऊंचे स्थानों और टीलों की चोटियों के समान हो जाएंगे, जिन्हें उन्होंने इस्राएलियों के कारण छोड़ दिया था।

मुझे लगता है, जैसा कि मैंने ऊपर पृष्ठभूमि में कहा है, मुझे लगता है कि यहां "वे" का तात्पर्य कनानियों से है। वर्षों पहले, तुम इस्राएलियों ने इन निर्जन कनानी नगरों को देखा था। खैर, मुझे आपको बताने दें।

उस महान अमेरिकी दार्शनिक के शब्दों में, यह फिर से देजा वु है। योगी बेर्न, हाँ। आप ऐसा दोबारा होते हुए देखेंगे, लेकिन अब यह आपके शहर होंगे।

उनके दृढ़ नगर, अर्थात् इस्राएलियों के दृढ़ नगर, उन जंगली ऊँचाइयों और टीलों के समान होंगे जिन्हें कनानियों ने इस्राएलियों के साम्हने से उजाड़ दिया था। अब, श्लोक 10 में पहला शब्द क्या है? क्योंकि...क्या किसी के पास चार हैं? हाँ? हमने देखने लायक चीज़ के रूप में पुनरावृत्ति के बारे में बात की है। यहां देखने लायक एक और चीज़ है, कारण और प्रभाव।

ये इस्राएली नगर अब क्यों उजाड़ हो जाएंगे? यही प्रभाव है. क्योंकि, यहाँ कारण आता है, किस कारण से? वे भगवान को भूल गये हैं। और अब, यहाँ कविता का एक सुंदर उदाहरण है।

उन्होंने अपने शरणस्थान की चट्टान को स्मरण नहीं किया। तो, आपके पास सकारात्मक और नकारात्मक का यह पर्यायवाची विचार है। वे भूल गए हैं, उन्हें याद नहीं है, वही बात।

अब, ये महत्वपूर्ण शब्द हैं। वे इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि मूसा ने उन्हें व्यवस्थाविवरण में जिस तरह से उपयोग किया था। हमने अतीत में हिब्रू के बारे में थोड़ी बात की है।

हिब्रू यह नहीं मानता कि मानसिक गतिविधि और वास्तविक गतिविधि को अलग करना संभव है। तो भगवान को याद करना क्या है? इसका पालन करना है. यदि आपको याद है कि भगवान कौन है, और आपको याद है कि उसने आपके लिए क्या किया है, तो आप क्या करने जा रहे हैं? आप वही करने जा रहे हैं जो वह चाहता है।



और इसी प्रकार ईश्वर को भूलना भी अवज्ञा है। अब, आप देखिए, हम अंग्रेजी में कह सकते हैं, ओह हाँ, मैं भगवान को याद करता हूँ, लेकिन मैं अभी भी नरक की तरह जी रहा हूँ। और मूसा कहते हैं, तुम परमेश्वर को स्मरण नहीं रखते।

ओह, मैं नहीं भूला कि भगवान कौन है। मैं यह नहीं भूला हूँ कि 20 साल पहले उन्होंने मेरे लिए वहाँ क्या किया था। अरे हाँ, आपके पास है।

या फिर आप वैसे नहीं जी रहे होंगे जैसे आप जी रहे हैं। और इसलिए, यशायाह यहाँ उस ऊ्यूटेरोनोमिक उपयोग को उठा रहा है। तुम अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर को भूल गए हो।

तुम्हें याद नहीं कि उसने तुम्हें कैसे बचाया। तू ने अपने शरणस्थान की चट्टान को स्मरण नहीं किया। यह फिर से एक सुंदर अभिव्यक्ति है।

बाहर रेगिस्तान में, दुश्मनों की एक भीड़ आपका पीछा कर रही है। और यह एक सपाट, कंकरीली, आकृतिहीन सतह है, और आप पागलों की तरह भाग रहे हैं। और आप पहाड़ी की चोटी पर आते हैं, और वहाँ घाटी में एक बड़ी, बड़ी चट्टान है, लगभग 30 फीट ऊंची।

और आपमें से तीन या चार लोग उन टीम-निर्माण कार्यों में से एक करते हैं, आप जानते हैं। एक दूसरे के कंधों पर खड़े हो जाओ और एक दूसरे को ऊपर खींचो, और अंत में, आप चट्टान के ऊपर हैं, और आपके दुश्मन नीचे इधर-उधर भाग रहे हैं, और आप कह रहे हैं, ना, ना, ना, ना, ना, ना. हम यहाँ इसी बारे में बात कर रहे हैं।

तेरी शरण की चट्टान। वह इसे छाया की चट्टान के रूप में भी उपयोग करता है। फिर से, आप उस गर्म, गर्म रेगिस्तान में हैं।

हे भगवान, एक बड़ी चट्टान की छाया में जाओ, और उस निर्दयी धूप से सुरक्षित रहो। लेकिन वह कहते हैं कि आप स्पष्ट रूप से वह सब भूल गए हैं। तुम भूल गए हो कि परमेश्वर तुम्हारे लिए किस प्रकार रक्षा का स्थान था।

तुम भूल गए हो कि परमेश्वर तुम्हारे लिए किस प्रकार सुरक्षा का स्थान था। आप जिस तरह से जी रहे हैं उसके कारण। और मैं खुद से कहता हूँ, अगर मैं आप पर एक उंगली उठाता हूँ, तो मैं अपनी तरफ तीन उंगली उठा रहा हूँ।

मैं कहाँ भूल जाता हूँ कि वह कौन है और उसने मेरे लिए क्या किया है? और मैं उसे कैसे याद रखूँ? हाँ? क्या इसका संबंध किसी तरह भूलने से है, जैसे इनकार करने से? हाँ। एक प्रोफ़ेसर हमें बताते रहे कि ऐसा था, और मैंने कुछ देर तक उसे सुना, चूँकि मैं ईसाई हूँ, मैंने उनसे कहा, आप ऐसा क्यों कहते रहते हैं? मुझे यह समझ में नहीं आता कि आप हमें यह कहने का प्रयास क्यों करते रहते हैं कि हम ईश्वर में विश्वास न करें। आपका बैकग्राउंड क्या है? और उसने कहा, मैं ऐसा ही रहा हूँ... वह अपने अस्तित्व को ही उचित ठहरा रहा है।

हाँ, उसे याद था। हाँ वह था। वह जानता था, लेकिन वह स्पष्ट रूप से इससे इनकार कर रहा था और हमें उसका पालन करने के लिए प्रेरित करने की कोशिश कर रहा था।

हाँ। क्या आप ऐसा ही कह रहे हैं? हाँ। क्योंकि उसे याद था।

उसे याद तो था, पर वह भूल गया था। सही। लेकिन यह एक सचेत विकल्प है।

यह सही है। हां, हां। तो हम उस तरह का अंतर कर सकते हैं, यह कहने के लिए, हां, मुझे मानसिक रूप से कुछ याद है, लेकिन मैं उस स्मृति के परिणामों, तार्किक परिणामों से इनकार करता हूँ।

हिब्रू कह रहा है, नहीं, आप नहीं कर सकते। यदि आपने तार्किक परिणामों को अस्वीकार कर दिया है, तो वास्तव में, आप भूल गए हैं। मुझे अक्सर आश्चर्य होता है कि उसने ऐसा क्यों किया।

हाँ। क्योंकि वास्तव में, वह इतने खुले तौर पर हमें यह बताने की कोशिश कर रहा था कि कोई ईश्वर नहीं है। इसका कक्षा में कोई संबंध ही नहीं था, क्योंकि यह दर्शनशास्त्र की कक्षा नहीं थी।

लेकिन मैंने सोचा... प्रसिद्ध न्यू टेस्टामेंट लेखक, बार्ट एहरमन, इसका एक और उदाहरण है। उन्होंने अब तक संभवतः 20 पुस्तकें लिखी हैं, सभी न्यू टेस्टामेंट को नष्ट करने के उद्देश्य से। और वह एक कट्टरपंथी घर में बड़ा हुआ, मूडी बाइबिल कॉलेज गया, व्हीटन से स्नातक की उपाधि प्राप्त की, और इस प्रक्रिया में, उसने अपना विश्वास खो दिया, और अब वह धर्मयुद्ध पर है।

यदि मैं सही हूँ कि मैंने अपना विश्वास खो दिया है, तो बाकी सभी को भी अपना विश्वास खो देना चाहिए। हाँ। प्रोफेसर बार्ट एहरमन, एहरमन।

लर्निंग चैनल, डिस्कवरी पर उनका व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है, मीडिया उनसे प्यार करता है। ठीक है। चलो आगे बढ़ें।

अब, ध्यान दें कि यहाँ क्या हो रहा है। हमें एक प्रभाव मिला है। उनके नगर नष्ट हो गये।

हमारे पास एक कारण है, और फिर हमारे पास एक और प्रभाव है। देखिए, इसलिए... फिर से, मैंने इसे 300 बार कहा है, और यदि आप मेरे साथ बने रहेंगे, तो आप इसे 300 बार और सुनेंगे। इसलिए, जब आप इसे देखें, तो पूछें कि यह वहाँ किस लिए है।

क्योंकि यह एक निष्कर्ष का संकेत दे रहा है। इसलिए, क्या? श्लोक 10 और श्लोक 11 के शेष भाग के विपरीत। वे इसे रोपकर स्वयं को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रहे हैं।

यह सही है। वे कोशिश कर रहे हैं। अब, यहाँ वह कटाई वाला खेत है, लेकिन वे नए पौधे लगाने जा रहे हैं, और यह अच्छा होगा, और भगवान शुभकामनाएँ कहते हैं।

अब, मैं आपसे पूछता हूँ, क्या यह ईश्वर का मनमाना निर्णय है? मेरा मतलब है, वह सिर्फ यह कह रहा है, ठीक है, मैं तुम्हें सज़ा देने जा रहा हूँ। तुम मुझे भूल गए हो, और मैं तुम्हें सज़ा देने जा रहा हूँ। आप जो योजना बना रहे हैं वह पूरा नहीं होने वाला है, या यदि वह आता है, तो वह खत्म हो जाएगा।

यह एक मनमानी सज़ा होगी. क्या यह मनमाना है? पाठ को देखें, और पाठ क्या कह रहा है। ठीक है, दूसरे भगवान को प्रणाम कर रहे हैं।

मम-हम्म. पेटीसिया? यह एक परिणाम है. यह एक परिणाम है.

यह एक परिणाम है. यह कुछ ऐसा है जिसे हमें वास्तव में अपने दिमाग में बिठाने की जरूरत है। जब हम पुराने नियम को पढ़ते हैं, तो हमारे पास इस ईश्वर की तस्वीर होती है, जिसे, हे मनुष्य, तुम तिरछी नजरों से देखते हो, वह तुम्हें मार डालेगा।

लेकिन यदि आप चुनाव करते हैं, तो आपको परिणाम भुगतने होंगे। यदि आप चुनाव करते हैं, तो आपको परिणाम भुगतना होगा। बिलकुल, बिल्कुल।

अब, यह यहाँ इस पाठ में नहीं है, बल्कि केवल इस मुद्दे को स्पष्ट करने के लिए है, अगर मैं सबसे अच्छे पौधे लगाऊँ जो मुझे मिल सकते हैं, लेकिन मैं उन्हें पानी देने में बहुत आलसी हूँ, तो उनका क्या होगा? वे मरने वाले हैं. अब, भगवान मुझसे नफरत करता है, है ना? नहीं - नहीं। मैंने उन शर्तों को पूरा नहीं किया जो उस तरह के जीवन के लिए आवश्यक हैं।

तो, यहाँ भी वही बात है। यदि मैं अपना जीवन इस आधार पर बनाता हूँ कि कोई ईश्वर नहीं है, तो जब मेरा जीवन टूट जाएगा तो मुझे वास्तव में आश्चर्य नहीं होना चाहिए, क्योंकि मैंने समीकरण का आवश्यक हिस्सा छोड़ दिया है। मुझे बीजगणित के बारे में बहुत कुछ याद नहीं है, लेकिन मुझे इतना याद है कि समान चिह्न के दोनों ओर के दो हिस्सों को संतुलन बनाना होता है।

खैर, यदि आप एक प्रमुख घटक को छोड़ देते हैं, तो यह कभी भी संतुलित नहीं होगा। इसलिए नहीं कि ईश्वर आपसे नफरत करता है, बल्कि इसलिए कि दुनिया इसी तरह बनी है। और इसलिए यह यहाँ है, कि बार-बार, भगवान कह रहे हैं, ये परिणाम हैं।

ऐसा नहीं है कि मैं यहाँ स्वर्ग में बैठकर कह रहा हूँ, यदि तुम कुछ गलत करोगे, तो मैं तुम्हें पकड़ लूँगा। नतीजे। ठीक है।

अब, सिर्फ इसलिए कि हमारा समय बीत रहा है, मेरा मानना है कि हम श्लोक 12 में एक नया अध्याय शुरू करते हैं। याद रखें, अध्याय विभाजन 500 ईस्वी के कुछ समय बाद रखे गए थे। हम बस इतना जानते हैं कि हमें 500 ईस्वी के बाद पांडुलिपियों के टुकड़े मिलने शुरू हुए जिनमें अध्याय विभाजन थे जो पहले हमारे पास नहीं थे।

और जब तक हमें पूरी बाइबल मिलती है, जो ईसा मसीह के समय के बारे में है, क्षमा करें, ईसा के लगभग 1000 ईसा बाद, 1000 ईस्वी, हमें उनमें अध्याय विभाजन मिल गए हैं। इसलिए, जब

यशायाह ने पुस्तक लिखी तो अध्याय विभाजन नहीं रखे गए थे। तो, यह सब कहते हुए, हमने पुनरावृत्ति के बारे में बात की है, हमने कारण और प्रभाव के बारे में बात की है।

देखने लायक एक और चीज़ विरोधाभास है। श्लोक 12, 13, और 14 में क्या विरोधाभास है? आपके पास 12 और 13ए में दोहराए गए शब्द और अवधारणाएं हैं, वे क्या हैं? गड़गड़ाहट। गर्जन।

गड़गड़ाहट और गर्जना का आपके लिए क्या अर्थ है? आंधी। हाँ, हालाँकि इस मामले में, यह राष्ट्र ही हैं जो ऐसा कर रहे हैं। राष्ट्रों की गड़गड़ाहट।

वे समुद्र की गर्जन के समान गरजते हैं। राष्ट्रों की दहाड़। वे प्रचण्ड जल की गर्जना के समान गर्जना करते हैं।

राष्ट्र अनेक जलधाराओं की गर्जना के समान गर्जना करते हैं। अगला शब्द क्या है? परन्तु वह उन्हें डाँटेगा। और क्या होता है? इन गरजते, गरजते राष्ट्रों का क्या होगा? हवा पर भूसी की तरह।

कोई आवाज़ नहीं, कोई आवाज़ नहीं। फिर श्लोक 14 को देखें। मुझे इसका पहला भाग विशेष रूप से पसंद है।

शाम को, क्या? आतंक. और सुबह? वे जा चुके हैं। मुझे यह कविता याद आती है, रोना तो रात भर सहता है, परन्तु भोर को आनन्द आता है।

वह भगवान की दुनिया है. वह भगवान की दुनिया है. हाँ, परेशानी, दर्द, दुःख।

लेकिन वे कहानी का अंत नहीं हैं। और इसलिए, यह यहाँ है. हाँ, ये राष्ट्र गरज रहे हैं।

वे अपनी शक्ति में दहाड़ रहे हैं. यह मुझे भजन 2 की याद दिलाता है। राष्ट्र कैसे क्रोधित होते हैं। और फिर मुझे अगली पंक्ति पसंद है.

वह जो स्वर्ग में बैठा है हँसेगा। यहाँ पृथ्वी के राष्ट्र चारों ओर गरज रहे हैं। हम उसकी जंजीरें उतार फेंकेंगे।

हम विद्रोह करने जा रहे हैं. हम दंगा करने जा रहे हैं. और भगवान कहते हैं, हा, हा, हा।

उसे धमकी नहीं दी गई है. तो ये है ये तस्वीर. यहां ये शक्तिशाली राष्ट्र हैं जिनसे हम डरने और भरोसा करने के लिए प्रलोभित होते हैं।

भगवान कहते हैं, अपना दृष्टिकोण ठीक करो। वे धूल हैं. वे भूसी हैं.

चाहे वे कितनी भी जोर से दहाड़ें, चाहे उनकी गड़गड़ाहट कितनी ही भयानक क्यों न हो, सुबह होते-होते वे नहीं रह जाते। ठीक है, चलो अब जल्दी से आगे बढ़ें। 18.1 में क्या कमी है? बोझ या दैवज्ञ या संदेश के लिए शब्द? अन्य सभी के पास यह है, लेकिन हमारे पास यह यहां नहीं है।

कई टिप्पणियाँ कहेंगी कि अध्याय 18 इथियोपिया के विरुद्ध एक दैवज्ञ है। सतह पर नहीं, ऐसा नहीं है। ठीक है, चलो अब देखते हैं।

फड़फड़ाते पंखों की भूमि जो कुश की नदियों के पार है। बाइबल मिस्र के दक्षिणी भाग और इथियोपिया के उत्तरी भाग को मधुमक्खियों के स्थान के रूप में चित्रित करती है। अब उन्होंने ऐसा क्यों किया, हम नहीं जानते।

लेकिन यही विचार है। ब्रह्माण्ड के बिल्कुल दक्षिणी किनारे पर वे मधुमक्खियाँ भिनभिना रही हैं। कुश विश्व का बिल्कुल दक्षिणी छोर है।

इसके अलावा, यहाँ ड्रेगन झूठ बोलते हैं। तो, वे दुनिया के सबसे सुदूर दक्षिणी छोर पर हैं। अब कुश क्या करता है? आयत 2 के अनुसार। वे राजदूत, संदेशवाहक और संदेशवाहक भेजते हैं।

और वे किसके पास जाते हैं? लंबा और चिकना, निकट और दूर तक भयभीत, एक शक्तिशाली और विजयी राष्ट्र जिसकी भूमि को नदियाँ विभाजित करती हैं। खैर, संभवतः वह पूर्व में मेसोपोटामिया है। तो, यहाँ विचार है।

कुश दूत भेज रहा है। अब ये बात मैंने इस पृष्ठभूमि पर नहीं कही। मैं अगले सप्ताह के लिए करता हूँ।

इस समय, मिस्र पर इथियोपियाई लोगों, कुश के लोगों का शासन था। तो, हो सकता है कि हम बात कर रहे हों, आइए मिस्र और असीरिया के बीच दूत भेजें। आइए देखें कि क्या हम यहां किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाते हैं।

शायद हम उस पर भरोसा कर सकते हैं। श्लोक 3. भगवान क्या करने जा रहा है? श्लोक 3. वह एक संकेत ध्वज फहराने जा रहा है। यहाँ वह संकेत फिर से है।

चूँकि आप सोमवार की रात को बाहर आए थे, इसलिए यह शब्द थोड़ा हिब्रू भी सीखा जा सकता है। हिब्रू शब्द नेस है। एनईएस।

नेस. और इसका मतलब होता है पताका ध्वज. यह इस पुस्तक में लगभग छह बार आता है, पुराने नियम में कहीं और नहीं।

वह कड़वे अंगूरों से भरे अंगूर के बगीचे को रौंदने के लिए दुश्मनों को बुलाने के लिए एक झंडा उठाता है। मसीहा वह ध्वज है जिसे राष्ट्रों को आने और इस्राएल के निर्वासितों को घर लाने के लिए बुलाने के लिए उठाया जाएगा। मसीहा वह झंडा है जिसे राष्ट्रों को अपने पास आने के लिए बुलाने के लिए उठाया जाएगा।

यशायाह को झंडे बहुत पसंद हैं। यहां तो यह फिर से है। परमेश्वर पहाड़ों पर एक संकेत ध्वज फहराने जा रहा है और दुनिया के निवासियों से अपेक्षा की जाती है कि वे ध्यान दें।

वह तुरही फूंकने वाला है और उन्हें सुनना चाहिए। खैर, उन्हें क्या सुनना चाहिए? अहां। और वह क्या कहता है? पद 4. मैं शान्त रहूंगा, और आपके निवास में से देखता रहूंगा, जैसे धूप में निर्मल गर्मी, और कटनी की गर्मी में ओस का बादल।

हम्म। यहां राष्ट्र गरज रहे हैं और दहाड़ रहे हैं कि वे दुनिया में क्या करने जा रहे हैं। यहां इथियोपिया के लोग संदेशों के साथ मधुमक्खियों की तरह भिनभिना रहे हैं।

और भगवान क्या कहते हैं? मैं चुपचाप देखूंगा. फिर, यह एक प्रकार का विषय है जो पुस्तक में चलता है। ईश्वर की कमजोरी दुनिया की ताकत से ज्यादा मजबूत है।

बाद में, वह हिब्रू लोगों से कहने जा रहा है, शांति और आराम में ही आपका उद्धार है, लेकिन आप ऐसा नहीं करेंगे। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए एक संदेश है, और शायद आप में से एक या दो के लिए भी। इस दिन अत्यधिक व्यस्त रहने का ऐसा प्रलोभन।

यह करना है, वह करना है, दूसरा काम करना है। और भगवान कहते हैं, नहीं, मुझे ही काम करना है। क्या तुम मुझमें विश्राम करोगे? क्या आप मुझे अपने माध्यम से कार्य करने की अनुमति देंगे? नहीं, नहीं, नहीं, मुझे यहां अपना iPhone लेना है।

मुझे संदेशों और टेक्स्ट से दुनिया भर में चर्चा करनी है। फ़सल से पहले, जब फूल खत्म हो जाता है और फूल पकने वाला अंगूर बन जाता है, तो वह टहनियों को कांटों से काट देता है, और फैली हुई शाखाओं को काट कर अलग कर देता है, और उन सभी को शिकारी पक्षियों के लिए छोड़ दिया जाएगा। पहाड़ों से लेकर पृथ्वी के जानवरों तक। शिकारी पक्षी उन पर ग्रीष्मकाल काटेंगे, और पृथ्वी के पशु उन पर वास करेंगे।

मुझे लगता है, और मुझे कहना होगा कि मुझे अन्य टिप्पणीकारों से इस पर पर्याप्त समर्थन नहीं मिला है, लेकिन फिर भी, मुझे लगता है कि यह खंड इस सब में एक प्रकार का मध्य भाग है, एक प्रकार का समर्थन हम चले गए और मुद्दों पर फिर से विचार कर रहे हैं। कोई विशेष राष्ट्र नहीं, बल्कि वे सभी राष्ट्र जिन पर हम भरोसा करने और डरने के लिए प्रलोभित होते हैं। और भगवान कहते हैं, अपना दृष्टिकोण सही करो।

उन्हें देखना बंद करो. मेरी तरफ देखो। मुझे लगता है, विशेष रूप से इस दिन जब हम उत्तरी अमेरिका में चर्च की गिरावट देखते हैं, तो मुझे लगता है कि भगवान हमसे यही कह रहे हैं।

मुझे देखो, मुझे देखो। यहां जो भी काम करना होगा मुझे करने दीजिए. अब जाहिर है, वह हमसे सहयोग की उम्मीद करते हैं, लेकिन फिर भी, मुद्दा परिप्रेक्ष्य का है।

पद सात तो उस समय सेनाओं के यहोवा के लिये कर किसकी ओर से लाया जाएगा? ये वही लोग हैं, है ना? जिसे इथियोपियाई लोग संदेश भेजने वाले थे। वे लोग आने वाले हैं और वे मेरे लिए श्रद्धांजलि लेकर आने वाले हैं। यह वह आवर्ती विचार है जो यहाँ चलता रहता है।

ये दो बिंदु बार-बार उठाए जा रहे हैं। एक तो यह कि राष्ट्र तुम्हारे परमेश्वर के न्याय के अधीन हैं, और एक दिन, राष्ट्र तुम्हारे परमेश्वर की आराधना करेंगे। तो आखिर आप उन पर भरोसा क्यों करेंगे? और आखिर तुम उनसे क्यों डरोगे? अपने देवता।

अब फिर से, मैं कहता हूँ, हमारे लिए इस बारे में बात करना आसान है। हम ईसाई धर्म को देखते हैं, जो दुनिया में धर्म परिवर्तन के मामले में सबसे तेजी से बढ़ने वाला धर्म है। जन्म दर के मामले में मुसलमान हमें पछाड़ रहे हैं, लेकिन रूपांतरण दर के मामले में ईसाई धर्म दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला धर्म है।

इसलिए, हमारे लिए इसे देखना और कहना अपेक्षाकृत आसान है, नहीं, लेकिन यहूदा, जैसा कि मैंने आपको पहले कहा है, जेसमंड काउंटी से बहुत बड़ा नहीं है। और कोई कहे, ये सभी राष्ट्र आपके ईश्वर के न्याय के अधीन हैं, और इससे भी अधिक, ये सभी राष्ट्र एक दिन आपके ईश्वर की पूजा करने जा रहे हैं, वाह, जिन्होंने विश्वास लिया। वह विश्वास ले गया।

अब ऐसा हो सकता है कि यदि इस देश और उत्तरी अमेरिका में चर्च का पतन जारी रहा, जैसा कि हो रहा है, तो आपमें से कुछ लोग जो किशोरावस्था में हैं, उन्हें कुछ हद तक ऐसी ही स्थिति देखने को मिल सकती है। खैर, दुनिया में हमारा भगवान ऐसा कैसे कर सकता है, जबकि ब्रिटेन में 97% लोग चर्च नहीं जाते? वास्तव में? क्या वह सच है? यह सच है। यह सच है।

यह यहूदिया के लिए सच था, यह हमारे लिए सच है। और हमें वहाँ अपना जीवन बनाने की जरूरत है। ठीक है।

प्रश्न? टिप्पणियाँ? अवलोकन? हाँ? यह दीवार से दूर है। ओह अच्छा। यदि आप चाहें तो आप यहाँ मेरा मजाक उड़ा सकते हैं।

यह अभिव्यक्ति जो बार-बार आती रहती है, 18.2, 18.7, यह 55 में भी है और 65 में, पॉल एक अजीब भाषा में मजबूत लोगों की नकल करता है। क्या किसी विद्वता में कोई विचार है कि यह भविष्यवाणी पॉल के ट्रोआस में पश्चिम की ओर मुड़ने और उत्तरी मध्य यूरोप और इंग्लैंड और अंततः उत्तरी अमेरिका में सुसमाचार के अपेक्षाकृत तैयार स्वागत की आशा करती है, जो एक उभरता हुआ प्रचार आंदोलन रहा है ? विवरण फिट बैठता है और भाषा, निश्चित रूप से, हिब्रू से बिल्कुल अलग स्रोत है।

और मेरे पास टैसिटस में एक नोट है कि वह अपने जर्मनी और अपनी जनजातियों में इसके बारे में कुछ कहता है, लेकिन अब जब मैंने इसे प्राप्त करने की कोशिश की तो मुझे यह नहीं मिला। क्या यह इस पाठ में किसी भी चीज़ से पूरी तरह से समर्थित नहीं है? मुझे लगता है कि जवाब हां है। उत्तर क्या है? उत्तर हां है, यह समर्थित नहीं है।

मुझे लगता है कि वस्तुतः हर कोई इस बात से सहमत है कि यह संभवतः बेबीलोनियों को संदर्भित करता है। असीरियन, कम से कम राजा, दाढ़ी रखते थे, लेकिन बेबीलोन के राजा क्लीन शेव्ड रहते थे। और ऐसे लोग भी हैं जो तर्क देते हैं कि यह इथियोपिया और मिस्र के बीच एक संबंध है क्योंकि मिस्रवासी क्लीन शेव्ड थे।

यह कितना अजीब है, फिरौन नकली दाढ़ी पहनते थे। उसका पता लगाओ. टौपी, मैं समझ सकता हूँ।

झूठी दाढ़ी, नहीं, मैं नहीं कर सकता। तो, कुछ तर्क है कि हम इथियोपियाई राजवंश की मातृभूमि और जहां वे अब उत्तर में हैं, के बीच नील नदियों में ऊपर और नीचे गूजने वाले दूतों के बारे में बात कर रहे हैं। तो आमतौर पर, ये वे दो हैं जिनके बारे में मुझे अधिक दूर के भविष्य के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

हाँ? क्या यहां हम ईसाई धर्म प्रचारकों के लिए कोई संदेश नहीं है क्योंकि हम इस समय संस्कृति युद्ध में शामिल हैं कि हम इस शून्य-राशि वाले खेल में शामिल नहीं हैं? मुझे लगता है कि इवेंजेलिकल, हममें से बहुत से लोग इस बात से भयभीत हो जाते हैं कि हम हारने वाले हैं। हां हां। क्या यह हमसे बात नहीं कर रहा है? मुझे सचमुच विश्वास है कि यह है।

मुझे सचमुच विश्वास है कि यह है। नंबर एक, मुझे लगता है कि हमें अपने स्वार्थ के लिए राजनीतिक व्यवस्था का उपयोग करने के प्रयास से जितना संभव हो सके दूर रहना होगा। और नंबर दो, हमें इस तरह से बचना होगा, हे भगवान, हमें कुछ करना होगा।

पूरा घर हम पर गिरने वाला है। भगवान यहां पहले भी रहे हैं. और इसलिए हां, मैं वास्तव में इस पर विश्वास करता हूँ, मैं चुपचाप अपने आवास से देखूंगा और हमें उस पर और हमारे साथ, हमारे माध्यम से उसके रास्ते में उसकी जीत की निश्चितता पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

लेकिन ईश्वर को यह बताने के बजाय कि उसे अपने चर्च को कैसे बचाना है, हमें ईश्वर की बात सुनने की ज़रूरत है कि वह इसे कैसे करना चाहता है। मुझे लगता है कि इसका परिणाम, मेरे अवलोकन में, हमें बेहतर महसूस करने के लिए, हम राक्षसी बनाना है। हां हां हां।

हम उनकी विशेष रणनीति अपनाते हैं। और प्रेम इसका हिस्सा नहीं है. हम अब प्यार का इजहार नहीं कर सकते.

नहीं, नहीं, नहीं। और वे इसे जानते हैं. और वे इसे जानते हैं, हाँ, हाँ, हाँ।

मैं आपसे बिल्कुल सहमत हूँ. मैं, फिर से, जैसा कि मैं कहता हूँ, मैं राजनीतिक रूप से बहुत रूढ़िवादी हूँ। और फिर भी, मुझे चुनाव के दौरान प्रसारित किए गए ईमेल संदेशों के बारे में बहुत बुरा लगा, जो कि दूसरे पक्ष के संदर्भ में थे।



और हां। जब मैं घर पर पढ़ रहा था, तब मेरे मन में यह विचार आया कि कब संयुक्त राज्य अमेरिका स्वर्ण मानक से नीचे चला गया। जैसा कि मैंने इस बारे में सोचा था, जब हम ईश्वर के मानक से दूर हो जाते हैं, तो चीजें बिखर जाती हैं।

इनमें से कई चीजों में दरार आ गई है। जब संयुक्त राज्य अमेरिका स्वर्ण मानक से बाहर चला गया, और यदि हम ईश्वर मानक से बाहर चले गए, तो उसी प्रकार की कई विनाशकारी चीजें हमारे साथ घटित हो सकती हैं। हाँ।

फिर, यह एक व्यक्तिगत बात और अवलोकन है, लेकिन हमने जो कुछ मुद्दे देखे हैं, उनका राजनीतिकरण करना बहुत गलत लगता है। मेरा मतलब है, हम भगवान से सवाल कर रहे हैं। और मैं देख रहा हूँ कि आप कहां से आ रहे हैं, और मुझे लगता है कि यही हो रहा है।

हाँ। हमने इन चीजों का राजनीतिकरण तब किया है जब, ईसाई होने के नाते, हमारे जीवन में इसके बारे में कोई सवाल नहीं होना चाहिए। हाँ।

जब हम चीजों का राजनीतिकरण करते हैं, तो हम पूरे मुद्दे पर ईश्वर के दृष्टिकोण को नजरअंदाज करने लगते हैं। फिर, ये सरल प्रश्न नहीं हैं। ये आसान उत्तर नहीं हैं, और मैं आपको यह सुझाव नहीं देना चाहता कि मामला यही है।

लेकिन मुझे विश्वास है कि वह यहां जो कुछ कह रहे हैं, उसमें से अधिकांश हमारे लिए है कि हमारा ध्यान कहां होना चाहिए। मुझे प्रार्थना करने दीजिए।

पिताजी, धन्यवाद. आपके शब्द के लिए धन्यवाद. सच्चाई के लिए धन्यवाद. इसकी दोषी ठहराने की शक्ति के लिए धन्यवाद क्योंकि यह हमारे अपने दृष्टिकोण और व्यवहार में हमसे बात करती है। धन्यवाद, धन्यवाद, कि ब्रह्मांड के केंद्र में आराम और शांति है। धन्यवाद भगवान। इन उथल-पुथल भरे दिनों में अपना आराम और अपनी शांति हमारी आत्मा में गहराई से प्रवाहित होने दें, जब हम अपने आस-पास कई चीजों को गरजते और गरजते हुए देखते हैं, और हम इधर-उधर भागने या इस तरह से उस समस्या को हल करने का प्रयास करने के लिए इच्छुक होते हैं।

हमें केवल निष्क्रियता से मुक्ति दिलाएं, हमारे हाथ पर हाथ धरे बैठे रहें और कहें, ठीक है, भगवान, आप जो करना चाहते हैं वह करें। हमें उससे मुक्ति दिलाइये। लेकिन साथ ही, हे भगवान, जब हम अपने आस-पास की दुनिया का सामना करते हैं तो अपनी शांति को हमें भरने दें और हमें सांस लेने दें।

आपके नाम पर, हम प्रार्थना करते हैं, आमीन।

यह यशायाह की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. जॉन ओसवाल्ट हैं। यह सत्र संख्या नौ, यशायाह अध्याय 17 और 18 है।